भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खण्ड–XXVIII अंक–2 31 जनवरी, 2023

गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न

26 जनवरी, 2023 को 74वॉ गणतंत्र दिवस समारोह संस्थान के खेल परिसर में देश प्रेम से भरे वातावरण में पूरे जोश व उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. रंगन बनर्जी ने नियत समय पर ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, तत्पश्चात् राष्ट्रगान से पूरा परिसर गूंज उठा।

निदेशक का उद्‌बोधन

(संक्षिप्त अनुदित सार)

निदेशक महोदय ने संस्थान के सभी संकाय, अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थिगण व संस्थान के परिसरवासियों को 74वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर बधाई दी। आपने भारत के संविधान की उद्‌देशिका का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समता व बंधुता का अधिकार प्रदान करता है। उन्होने देश की संप्रभुता का अर्थ सरल शब्दों में बताया तथा इस संदर्भ में कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि अर्जित की गई शिक्षा व ज्ञान को देश की संप्रभुता के लिये उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने जन कल्याण से जुड़े शोध कार्य को बढ़ावा देने की बात पर बल दिया। देश तभी उन्नति करता है जब हम सब जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हैं। वास्तव में विचारों की आजादी के साथ जिम्मेदारी का भाव अत्यन्त आवश्यक है।

स्वदेशी टेक्नोलॉजी विशेषकर रक्षा क्षेत्र का जिक्र करते हुये उन्होंने DRDO की सहभागिता में संस्थान द्वारा विकसित की गयी टेक्नोलॉजी के कुछ उदाहरण दिये तथा कहा कि यह हम भारतवासियों के लिये गर्व की बात है।

अंत में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर निदेशक महोदय ने सभी को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि हम सभी को संस्थान के समग्र विकास तथा नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए प्रयासरत रहते हुए देश हित में योगदान करना चाहिए।

जय हिन्द !

–नीरज चौरसिया

सम्पादकीय

इस वर्ष गणतन्त्र दिवस के अवसर पर प्रकृति की विशेष अनुकम्पा रही। बादलों के बीच से झॉकने का प्रयास करती सूरज की किरणों से ठंडी लहर के बीच भी सभी का उत्साह बना रहा। कोविड–19 के कारण ~ 2 वर्ष बाद इस राष्ट्रीय पर्व को मनाने के लिए संस्थान का खेल मैदान परिसरवासियों से चहक उठा। देशभक्ति गीतों से माहौल खुशियों से भर गया।

नर्सरी स्कूल के बच्चों के गीत ''नन्हा-मुन्ना राही हूं.....बड़े होकर देश का सहारा बनूंगा'' से प्रारम्भ हुआ, केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों ने संयुक्त नृत्य से भारत की रक्षा–शक्ति का परिचय–''हिम्मत वतन की हमसे है....'' प्रस्तुत करके वातावरण को जोश से भर दिया। BRCA के विद्यार्थियों ने मन्द–मन्द आवाज में ''भारत हमको जान से प्यारा है...'' को प्रस्तुत करने का सफल प्रयास किया। काश ! इस समारोह में फैकल्टी सदस्यों की उपस्थिति अधिक परिलक्षित होती।

निदेशक महोदय प्रो. रंगन बनर्जी के सरल, संक्षिप्त व सारगर्भित उदबोधन में गम्भीर चिन्तन तथा सार्थक संदेश समाया रहा। वास्तव में तकनीकी शिक्षा सिस्टम में स्वदेशी टेक्नोलॉजी द्वारा आत्मनिर्भर भारत बनाने की अपार संभावनायें छिपी हैं। आइये! निदेशक महोदय के साथ मिलकर इसे साकार करें।

जनवरी में Youth Conference-'Becoming 2023' का वर्तमान आधुनिक समय में आयोजन यह दर्शाता है कि आई.आई.टी. सिस्टम के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है कि हमारे विद्यार्थी तकनीकी श्रेष्ठता के साथ जीवन मूल्यों को समाहित करते हुये देश के विकास में योगदान का मॉडल प्रस्तुत करें।

चलते-चलते विचार श्रृंखला – कुछ समय के बाद ''सम्पर्क'' के माध्यम से आपसे पुनः विचार साझा करने का प्रयास जारी रहेगा..।

–सन्तोष सत्या

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-5/2022/107334 दिनांक 28.12.2022 के अनुसार **प्रो. दीपक जैन** ने 13.12.2022 से संस्थान के ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स केंद्र में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. दीपक जैन को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2022/100244 दिनांक 19.12.2022 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) दीप्ति जैन** ने 28.11.2022 से संस्थान के परिवहन अनुसंधान और चोट रोकथाम केंद्र (TRIPC) में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड– I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. दीप्ति जैन को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग– I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2023/109806 दिनांक 05.01.2023 के अनुसार **प्रो. सुदिपन साहा** ने 03.01.2023 से संस्थान के यार्डी कृत्रिम बौद्धिकता स्कूल में सातवें वेतन आयोग के लेवल– 11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड– II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. सुदिपन साहा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो, के लिए) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग– I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2022/107357 दिनांक 02.01.2023 के अनुसार **प्रो. मार्शल** ने 28.12.2022 से संस्थान के भौतिकी विभाग में सह प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग– I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2022/103667 दिनांक 23.12.2022 के अनुसार **डॉ. वैभव शेखर** ने 14.12.2022 से संस्थान के गणित विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2023/108414 दिनांक 05.01.2023 के अनुसार **प्रो. हिमांशु शर्मा** ने 02.01.2023 से संस्थान में अन्तर–भा.प्रौ.सं. संकाय विनिमय कार्यक्रम के तहत सह प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग– I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-5/2023/13061 दिनांक 16.01.2023 के अनुसार **प्रो. सौरभ मणि त्रिपाठी** ने 2.1.2023 से संस्थान के ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के लेवल 13ए2 में सह प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2023/10742 दिनांक 9.1.2023 के अनुसार **डॉ. (सुश्री) शिवानी सिंह** ने 4.1.2023 से संस्थान के अमरनाथ एवं शशि खोसला सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/11049 दिनांक 9.1.2023 के अनुसार **डॉ. सूरज कुमार** ने 6.1.2023 से संस्थान के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग– I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/12159 दिनांक 12.1.2023 के अनुसार **डॉ. गोलक कुन्ती** ने 6.1.2023 से संस्थान के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-II/2022/109235 दिनांक 03.01.2023 के अनुसार **श्री राजीब कुमार दास** ने 09.12.2022 से संस्थान के सेन्स विभाग (SeNSE) में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 जनवरी, 2023 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

श्री तालेवर सिंह (50304), हेल्पर, निर्माण संगठन

श्री तालेवर सिंह ने 20 मार्च, 1980 को संस्थान में बेलदार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 अगस्त, 1985 को आपको 800– 1150/–रु. के वेतनमान में हेल्पर के रूप में पदोन्नत किया गया। 1 अगस्त, 1993 में आपको आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत 950-1400/3050-4590/- रु. के वेतनमान में चयनित किया गया तथा 1 अगस्त, 2003 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको 4000-6000/–ग्रेड वेतन 2400/–रु. में उन्नयन दिया गया। सौम्य स्वभाव के श्री तालेवर सिंह एक योग्य एवं मेहनती हेल्पर रहे हैं।

श्री जोगिन्दर सिंह (50306), माली, निर्माण संगठन

श्री जोगिन्दर सिंह ने 4 फरवरी, 1983 को संस्थान में माली के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 मार्च, 1991 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 950-1400/3050-4590/-रु. के वेतनमान में चयनित किया गया तथा 1 मार्च, 2002 में इसी योजना के अन्तर्गत 950-1400/3050-4590/-रु. के वेतनमान में पुनः चयनित किया गया। 1 अगस्त, 2012 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। श्री जोगिन्दर सिंह एक मेहनती एवं कर्तव्यपरायण माली रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

लॉन्ड्री की दरों में संशोधन

सम्पदा अधिकारी से प्राप्त विज्ञप्ति संख्याः भा.प्रौ.सं.दि./संपदा/2022-EOAIW08-108052 दिनांक 30.12.2022 के अनुसार वाणिज्यिक स्थापना एवं लाइसेन्स समिति (CELC) की 69वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार भा.प्रौ.सं. दिल्ली परिसर में मौजूद लॉन्ड्री सेवाओं की दरों को निम्नानुसार निर्धारित किया गया हैः–

लॉन्ड्री सेवाओं की दरें (कपड़ों की धुलाई एवं प्रेस)

क्र. सं.	कपड़ों का विवरण	01.10.2011 से प्रभावी प्रति कपड़े हेतु वर्तमान दर (रु.)	01.01.2023 से प्रभावी संशोधित दरें (रु.)
1.	बेड शीट	5.00	20.00
2.	बेड कवर	20.00	40.00
3.	पिलो कवर	2.50	10.00
4.	टॉवल	5.00	15.00
5.	फेस टॉवल	3.00	10.00
6.	नेपकिन	3.00	12.00
7.	बाथ मैट	3.00	12.00
8.	टेबल शीट	5.00	20.00
9.	पर्दे	20.00	50.00
10.	टेबल मेट/टी मेट	3.00	12.00
नई मदें			
11.	सोफा कवर	–	20.00
12.	कंबल	–	200.00
13.	टेबल क्लॉथ	–	20.00
14.	पुराने कपड़े	–	15.00
15.	एप्रेन	–	15.00

नाम परिवर्तन

स्थापना अनुभाग–II से प्राप्त विज्ञप्ति सं IITD/Estt.-2/2023/108321 दिनांक 02.01.2023 के अनुसार **सुश्री मकवाना राजेश्रीबेन जितेंद्रभाई** (27564), पुस्तकालय सूचना सहायक को सक्षम प्राधिकारी ने उनके सर्विस रिकॉर्ड में उनका नाम ''राजेश्री सिंह वत्स'' के रूप में परिवर्तित करने की अनुमति प्रदान की है। अतः भविष्य में वह **श्रीमती राजेश्री सिंह वत्स** के नाम से जानी जाएंगी।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IIES1/U-4/107524 दिनांक 09.01.2023 के अनुसार **डॉ. सौविक बिस्वास,** पोस्ट डॉक्टरल फेलो (विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था। जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 15.01.2023 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. सौविक बिस्वास को 15.01.2023 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है ।

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिए जाएं (अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की पावती हिंदी में भेजे)। अतः सभी विभाग/केन्द्र/अनुभाग/प्रकोष्ठ/एकक आदि को सूचित किया जाता है कि वे हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें। इसका उल्लंघन होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव

यूं बना अखंड हिंदुस्तान

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 565 छोटी–बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया था। नवीन भारत के निर्माता सरदार पटेल ने नवंबर 1947 को स्टेट्स एडवाइजरी कौंसिल का उद्घाटन करने के दौरान रियासतों की विलय प्रक्रिया और अन्य मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए थे। सरदार पटेल की पुण्यतिथि (15 दिसंबर) पर पढ़िए उस भाषण के अंश..

मैं मध्यप्रांत में विद्यापीठ के आमंत्रण पर आया था। स मौके पर आपने एडवाइजरी कौंसिल का उद्घाटन मेरे हाथ से करवाने का निश्चय कर लिया। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। क्योंकि इस बारे में मैं आप लोगों को चंद बातें कहना चाहता हूं। हिंदुस्तान में जो भारी विप्लव हुआ है, जिससे देसी रियासतों की समस्या इतने थोड़े समय में हल हो गई है। यह सब क्योंकर हुआ, किस तरह से हुआ, इससे क्या–क्या लाभ हुए, इसे कम ही लोग जानते हैं।

संक्षेप में मैं आपको बतलाना चाहता हूं कि मेरे दिल में रियासतों को एकत्रित करने की और उन्हें हिंदुस्तान में मिलाने की कल्पना किस तरह उद्भूत हुई, उसका ख्याल मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। मैंने बस्तर, दिल्ली जैसी तमाम रियासतों के राजा–महाराजाओं से मुलाकात की और उन्हें सारी बातें समझाकर रियासत एक करने के कागज पर दस्तखत करवाए। लोग तरह–तरह की बातें करते हैं। बहुत से लोग तो समझकर कहते हैं और तारीफ करते हैं और कई लोग यह कहते हैं कि यह तो हिटलर का काम किया। मैंने बस एक बात जरूर कही थी कि यह चीज जल्द करने की है, क्योंकि मुझे छोटी–बड़ी सभी रियासतों के साथ यह काम जल्द से जल्द पूरा करना है। अगर जल्दी यह काम नहीं हुआ तो उसमें रुकावट डालने वाली शक्तियाँ पड़ी है। वे सब काम बिगाड़ देगी तो वे लोग समझ गए और उन्होंने स्वयं दस्तखत कर मेरे पास कागज भेज दिए। जिन लोगों के दिल में देशप्रेम जागृत हुआ, उन लोगों ने दस्तखत किए।

इस क्रम में मैं नागपुर गया। सौराष्ट्र को मिलाने का विकट काम पूरा किया। महाराष्ट्र के जितने नौजवान राजा थे, वे सब मेरे पास आए और कहने लगे कि हम तो बंबई राज्य में मिलना चाहते है। पीछे गुजरात के सब राजा भी मिल गए। इस प्रकार सब रियासतें मिलने लगीं। उन पर किसी का दबाव नहीं था।

मैं यह अवश्य कहूंगा कि मध्यप्रांत की सरकार और महाराजाओं ने बहुत सभ्यता और समझदारी से काम किया। उसके लिए में इन लोगों को मुबारकबाद देना चाहता हूँ। जिस तरह से आप लोगों ने इस काम में मेरा साथ दिया, उससे मुझे इतना फायदा मिला कि और जिस जगह काम में मुसीबत आती थी, वहाँ पर मैं आपका उदाहरण देता था कि देखो मध्यप्रांत से राजा– महाराजा, वहां के लोग किस तरह और किस खूबी से मिलकर काम करते हैं, उसी तरह से तुम भी काम करो। मेरे दिल में इन महाराजाओं के काम को पूरी कदर है और मैंने इन लोगों से हिंदुस्तान सरकार की तरफ से वादा किया है कि आप लोगों की इज्जत और जगह कायम रहेगी, क्योंकि आपने पूरी सभ्यता से हिंदुस्तान का साथ दिया है। अब हमें आगे भी साथ मिलकर हिंदुस्तान को मजबूत बनाना है।

आपने इस काम को आगे बढ़ाने में एक और कदम भी लिया है। यह कदम है एडवाइजर्स बोर्ड (सलाहकार मंडल) बनाने का यह एडवाइजरी बोर्ड बनाकर आप पहला कदम आगे उठाते हैं और मेरे द्वारा इस काम की शुरुआत कराते है तो यह हमारा कर्तव्य है कि उसका पूरा फायदा लोगों को पहुंचाएं। इसी तरह से हमें यह काम करना चाहिए। हमारी रियासतों में और खासकर मध्यप्रांत को रियासतों में, बहुत से लोग ऐसे हैं जो पड़े हुए हैं। राजा महाराजाओं की जो मर्यादा है, उनकी जितनी कदर होनी चाहिए, वह तो हमेशा होनी ही चाहिए। क्योंकि हमारे पास मुल्क का बोझ उठाने के लिए जितने आदमी चाहिए, उतने भी आदमी नहीं।

आज हमारे लोग छोटी–मोटी बातों के लिए, छोटी–मोटी जगहों के लिए लड़ते हैं। इस सबमें क्या पड़ा है ? हमारे देश में इतनी जगह है। हम पर हिंदुस्तान की जिम्मेदारी आई है। उसमें से परदेसी हट गए हैं। वह सारी जगह हमारे पास पड़ी है। उस जगह को संभालने के लिए हमारे पास आदमी नहीं है तो इसमें लड़ाई–झगड़े की क्या जरूरत है ? यदि लोग लायक बन जाएं तो काम करने के लिए इतना बड़ा मैदान चारों तरफ खुला पड़ा है, लेकिन हमें उसके लिए लायक बनना होगा। केवल हमारे देश का ही नहीं, सारे एशिया का मैदान खाली पड़ा है। हम में शक्ति और बुद्धि होनी चाहिए। हम सबको साथ मिलकर सारे देश को ऊँचा उठाना है। जिस प्रेम से आपने मेरे काम की कदर की, मैं उसके लिए एक बार और आपको धन्यवाद देता हूँ।

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक–11 दिसम्बर, 2022

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com